खाटू वालो टिकेट कटादे म्हारा बलमा
में बैठ रेल में जाऊ रे बाबा श्याम धनि क
मेलो देखबा चालारे बाबा श्याम धनी के

मकराणा को मंदिर बन्यो रे
डयोडया पर हनुमान खड्यो है
तेल सिंदूर चढ़ावा रे श्याम धनी के

श्याम कुंड को निर्मल पाणी
नहाया सफल हो जावे जिंदगानी
कूद कूद के नहावा रे

श्याम बगीची बनि अति सुंदर
चंपा चमेली खिल रही अंदर
फुला को हार चढावा रे